geography 9 class Notes Chapter 9 – क्षेत्रीय अध्ययन

क्षेत्रीय अध्ययन

महत्वपूर्ण तथ्य-

किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों जीवन पर स्थलाकृति, जलवायु, अपवाह, कृषि उत्पादकता, औद्योगिक विकास, नगरीकरण इत्यादि का प्रभाव पड़ता है जिसे समझने के लिए हम क्षेत्रीय अध्ययन का सहारा लेते हैं । इसके कार्यविधि के अन्तर्गत हम सर्वप्रथम क्षेत्र का अवलोकन करते हैं । अध्ययन के उद्देश्य को आधार मानकर प्रश्नावली तैयार करते हैं । प्रश्नावली से जो सूचनाएँ प्राप्त होती हैं हम उसका अध्ययन तथा विश्लेषण करते हैं । इस अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आंकड़ों का इस्तेमाल होता है । प्रश्नावली के अन्तर्गत लोगों से प्रश्न पूछे जाते हैं । प्रश्नों की प्रकृति अध्ययन के उद्देश्य पर निर्भर करती है । ज्यादातर प्रश्नों के उत्तर "हाँ" या "ना" में होते हैं।

उदाहरण के लिए, भूमिगत जलस्तर में गिरावट के कारणों तथा संरक्षण के उपायों का अध्ययन किसी क्षेत्र विशेष के लिए किया जा सकता है । जनसंख्या वृद्धि तथा विकसित कृषि के लिए भूमिगत जल के स्तर में खतरनाक रूप से कमी आ गई है । जनसंख्या विस्फोट तथा सीवर जैसी आधुनिक सुविधाओं के कारण जल की मांग बढ़ी है। बिहार के गया, नवादा, नालन्दा, जहानाबाद, औरंगाबाद आदि में नलकूपों द्वारा सिंचाई के कारण भूमिगत जल-स्तर में गिरावट देखन को मिलती है । वर्षा और शुष्क ऋतुओं, में भौम जल स्तर में गिरावट देखने को मिलती है । इसलिए आंकड़ों का दिनांक मौसम के अनुसार अकित किया जाना चाहिए । इसी प्रकार भूमिगत जलस्तर में गिरावट को दूर करने के उपायों का अध्ययन भी किया जा सकता है । जमीन में गड्ढे बनाकर जिसे चार्जिंग पिट कहते हैं, के द्वारा भूमिगत जल-स्तर में सुधार किया जा सकता है बिहार में भूमिगत जल-स्तर के सुधार के लिए वर्षा-जल को विभिन्न सरकारी कार्यालय के छतों के पानी
को पाइप के द्वारा भूमि पर टंकी से जोड़े जाने की योजना है । इस विधि को "वाटर हारवेस्टिंग" कहते हैं। प्रत्येक घर में इस विधि को अपनाने से भूमिगत जल में वृद्धि हो सकती है । इसी प्रकार भूमि उपयोग का भी अध्ययन किया जा सकता है।

किसी क्षेत्र विशेष के भूमि उपयोग का सर्वेक्षण करते समय सभी प्रकार की भूमि का उपयोग का पता होना जरूरी है। खेतों के आकार तथा उनकी संख्या का पता होना भी आवश्यक है। एकअलग मानचित्र पर हम किसी क्षेत्र विशेष की मिट्टी के प्रकारों, एवं संरचना, खेतों की दास, अपना सापत एवं असिचित फसलों को प्रदर्शित कर सकते हैं। सबसे संबधित प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार करके हम सूचना एकत्रित मार सकते है। भूमि उपयोग, मिट्टी, भू-माकृतियों को एक-दूसरे से जोड़कर संयुक्त मानचित्र बनाया जा सकता है। प्रदूषण एक गंभीर तथा विकराल समस्या है । स्थानीय प्रदूषण का अध्ययन करने के लिए, हम किसी कारखाने या चौराहे का चयन कर सकते है। इसी प्रकार रासायनिक परायों द्वारा फैले प्रदूषण का प्रभाव पता करने के लिए हम किसी कृषि क्षेत्र या जलाशय का अध्ययन कर सकते है। प्रदूषण फैलानेवाले कारक, आस-पास क्षेत्रों पर प्रदूषण का प्रभाव, लोगों के द्वारा ली गई कठिनाइयाँ तथा मिट्टी के अनुपजाम होने के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। क्षेत्रीय अध्ययन में वायु तथा जल-प्रदूषण का अध्ययन मुख्य रूप से किया आता है। क्षेत्रीय अध्ययन की सहायता से जहाँ एक ओर समस्याओं के समन्वित समाधान सामने आते
हैं वहीं उस क्षेत्र विशेष के बारे में सूक्ष्म अध्ययन भी होता ।

https://www.evidyarthi.in/